

(4) यह सिद्धांत गामक योग्यताओं को सिखाने में उपयोगी है।

(5) अर्जित ज्ञान को उपयोगी बनाने में सहायगी।

आलोचना:-

(1) यांत्रिकता (एक क्रिया को बार-बार करना) पर बल देता है।

(2) प्रतिभाशाली बच्चे/बच्चों के लिये उपयोगी नहीं, अन्तःदृष्टि का प्रयोग नहीं होता

विशेष:- मैक्डूगल ने चूहे पर तथा लॉयड मॉर्गन ने छुत्ते पर प्रयोग किया था।

V.V. Imp.

(2) अनुकूलित अनुक्रिया का सिद्धांत

अन्य नाम:-

(i) सम्बद्ध अनुक्रिया का सिद्धांत

(ii) प्रतिवादी/प्रतिस्थापक का सिद्धांत

(iii) प्राचीन/परम्परागत अनुबन्धन का सिद्धांत

(iv) S- अनुबन्धन सिद्धांत

(v) शास्त्रीय अनुबन्धन सिद्धांत

प्रयोग- कुत्ते पर

प्रतिपादक :- I. P. पावलव (शरीर विज्ञानी) - 1904

↳ पाचन क्रिया पर नोबेल पुरस्कार

"सीखना एक अनुकूलित आ अनुक्रिया है" - पावलव

प्रयोग से पूर्व-

भोजन — लार
UCS — UCR
(अनुबन्धित) ~~अनुबन्धित~~

अनुबन्धित दृष्टी — X (लार नहीं टपकी)
CS

प्रयोग के दौरान - $\underset{CS}{CS} \text{ घंटी} + \underset{UCS}{भोजन} = \underset{UCR}{लार}$

Last - $\underset{CS}{\text{घंटी}} \times \text{————} \underset{CR}{\text{लार (सम्बद्ध क्रिया)}}$

अनुबन्धन के प्रकार :- ④

- (1) सहकालिक अनुबन्धन $\Rightarrow$ घंटी व भोजन दोनों एकसाथ देना
- (2) विलम्बित अनुबन्धन $\Rightarrow$ घंटी का प्रारम्भ तथा अन्त दोनों पहले होता है।
- (3) अवशेष अनुबन्धन $\Rightarrow$ घंटी व भोजन में समय अन्तराल अधिक होता है।
- (4) पश्चगामी अनुबन्धन $\Rightarrow$ भोजन पहले घंटी बाद में

* उत्तेजन का नियम :- घंटी को बार-बार बजाने पर छुत्ते द्वारा लार का टपकना

* आंतरिक अवरोध व विलोपन का नियम :-

$\Rightarrow$ लगातार घंटी के उपस्थित होने पर लार का टपकना बन्द हो जाना विलोपन कहलाता है।

* स्वतः पुनर्लाभ :- कुछ माह बाद पुनः घंटी बजाने पर लार टपकना

* उच्चकीर्ति अनुबन्धन :- घंटी के पहले की परिस्थितियों के प्रति अनुबन्धन का होना। (जैसे - मालिक द्वारा Room की light जलना)

* स्व आभासी अनुबन्ध :- स्वतः अनुबन्धित अनुक्रिया का होना।

^{Imp.} * उद्दीपक सामान्यकरण :- मूल उद्दीपक के प्रति की जाने वाली क्रिया को अन्य उद्दीपक के प्रति भी करना।

विभेदन :- मूल उद्दीपन व कृत्रिम उद्दीपन में अन्तर करना

अनुबन्धन को प्रभावित करने वाले कारक :-

- (1) प्रेरक का प्रभाव (भूख)
- (2) उत्तेजन का सम्बन्ध व आवृत्ति (भोजन व घण्टी के निष्कट का सम्बन्ध)
- (3) नियंत्रित वातावरण
- (4) मानसिक स्वास्थ्य (छुत्ता पागल न हो)
- (5) लिंग व बुद्धि का प्रभाव

18/10/19

अधिगम का प्रबलन सिद्धांत

उपनाम:- सखलीकरण का सिद्धांत

Imp आवश्यकता अवकलन का सिद्धांत

Imp प्रेरणा. प्रबलन-हास

Imp क्रमबद्ध व्यवहार

Imp गणितीय सिद्धांत

Imp विधिक सिद्धांत

परिष्कृत सिद्धांत

यथार्थ का सिद्धांत

- इस सिद्धांत का नाम **Imp.** है

प्रतिपादक: **C.L. हल**, 1915

Book : व्यवहार के सिद्धांत

प्रयोग : चूहे पर

Best Line:

“सीखना आवश्यकता की पूर्ति के द्वारा होता है”
- क्लार्क हल

$$B = D \times H$$

व्यवहार = चालक $\times$ आदत

5. जैनसा सिद्धांत गणितीय सिद्धांत कहलाता है,

* प्रबलन सिद्धांत गणितीय सिद्धांत कहलाता है। इस सिद्धांत में गणित के 17 नियमों उपनियमों का प्रयोग होता है।

Formula - S - O - R

S. उद्दीपक - O. प्राप्ति - R. अनुष्ठित $\Rightarrow$ बुद्धवर्ध